राजस्थान में स्वदेशी वृक्षों को बढ़ावा दिया जाएगा

चर्चा में क्यों?

राजस्थान के कृषि उत्कृष्टता केंद्र, राज्य की जलवायु के अनुकूल **देशी वृक्षों के रोपण** को बढ़ावा देने के लिये **तमिलनाडु के नर्सरी मॉडल का** अध्ययन करेंगे।

- ये केंद्र **किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों** और उन्नत बागवानी उत्पादन तकनीकों का सक्रिय रूप से प्रशिक्षण देते हैं।

मुख्य बिंदु

- **तमिलनाडु का नर्सरी मॉडल:**
  - तमिलनाडु का नर्सरी मॉडल, **जो ग्रीन तमिलनाडु मिशन का हिस्सा है, देशी पेड़-पौधे लगाने को बढ़ावा देता है।**
    - यह पहल लोगों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से **नजदीकी नर्सरियों से उच्च गुणवत्ता वाले पौधे खरीदने में सक्षम बनाती है।**
  - यह मॉडल पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करता है और पूरे राज्य में वनरोपण प्रयासों को बढ़ाता है।
- **कृषि एवं बागवानी सचिव का दौरा:**
  - कृषि एवं बागवानी सचिव ने जयपुर ज़िले के ढढ़ोल स्थित **राजस्थान राज्य बीज निगम के प्रक्षेत्र केंद्र, जैतून उत्पादन केंद्र** और **अनार उत्कृष्टता केंद्र का दौरा किया।**
  - उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्कृष्टता केंद्रों ने किसानों की आय में वृद्धि की है तथा वे उच्च क्षमता पर कार्य कर रहे हैं।
- **अनुशंसाएँ:**
  - **फसलों की सिंचाई के लिये वर्षा जल संचयन** शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।
  - किसानों के लिये प्रशिक्षण मॉड्यूल की समीक्षा की गई, जिसमें **सूक्ष्म सिंचाई और मल्चिंग जैसी जल संरक्षण तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।**
- **ढढ़ोल में आधुनिक बुनियादी ढाँचा:**
  - ढढ़ोल में उत्कृष्टता केंद्र में आधुनिक वनस्पति प्रसार संरचनाएँ जैसे **ग्रीनहाउस, शेड हाउस, नर्सरी ब्लॉक, मदर ट्री ब्लॉक और स्वचालन इकाइयाँ शामिल हैं।**
  - यह केंद्र कृषि प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ-साथ किसानों के लिये गहन बागवानी, ग्रेडिंग और पैकिंग का कार्य भी करता है।
  - ये गतिविधियाँ बागवानों को **जल प्रबंधन, उर्वरीकरण** और खेती में तकनीकी उन्नयन में सहायता करती हैं।

हरित तमिलनाडु मिशन

- इसका उद्देश्य **राज्य के वन और वृक्ष आवरण को बढ़ाना है।** मिशन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:
- **वृक्षारोपण:**
  - मिशन ने 73 लाख पौधे उगाकर कृषि विभाग को **निर्दिष्ट किये गए हैं। मिशन ने तमिलनाडु में 47 लाख से ज़्यादा पौधे लगाने का भी प्रस्ताव रखा है।**
- **नर्सरी:**
  - मिशन ने राज्य भर में **43 वन प्रभागों में 260 नर्सरी स्थापित की हैं। मिशन के पास नर्सरी की दैनिक गतिविधि अपडेट एकत्र करने के लिये एक मोबाइल ऐप भी है।**
- **हरित समितियाँ:**
  - मिशन ने वृक्षों की सुरक्षा और प्रबंधन के लिये **राज्य हरित समितियों और जिला हरित समितियों की स्थापना की है।**
- **ई-नर्सरी पोर्टल:**
  - मिशन ने चेन्नई में मुफ्त देशी पौधे उपलब्ध कराने के लिये **एक ई-नर्सरी पोर्टल लॉन्च किया है। मिशन भविष्य में इस सेवा को अन्य शहरों में भी विस्तारित करने की योजना बना रहा है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-to-promote-indigenous-trees